-3 (MAIN) EXAM, 2010

Sl. No. 366

A-DTN-K-JM-10

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt ALL questions.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili (Devanagari Script) unless otherwise directed.

In the case of Question No. 3, marks will be deducted if the précis is much longer or shorter than the prescribed length.

1. निम्नलिखित विषयमे सँ कोनो एक विषय पर लगभग *300* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(क) की कानून 'मानरक्षा हत्या'कें रोकि सकैत अछि?

(ख) खाद्य मिलावटक खतरा

(ग) अन्धविश्वास बनाम तर्कपरकता

(घ) शिक्षा आ सामाजिक परिवर्त्तन

(ङ) की सूचनाक अधिकार अधिनियम स्वच्छ एवं न्यायपूर्ण प्रशासन सुनिश्चित कऽ सकैत अछि?

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि गद्यांशक अन्तमे देल गेल प्रश्न सभक उत्तर लिखू। उत्तर स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त होयबाक चाही : 10×6=60

सौर ऊर्जा, जे सम्पूर्ण ऊर्जा नवीकरणक हिस्सा अछि, प्राचीन इन्धन पर हमरा सभक निर्भरता कम करबाक एकमात्र रास्ता अछि। पुरान इन्धन किछु समयोपरान्त अधिक महग आ विरल होभय जा रहल अछि। सौर ऊर्जाक उपयोग हमरा पृथ्वी ग्रहक पर्यावरणीय संतुलन आ 'ग्रीनहाउस'क प्रभावकेँ कम करबाक एकमात्र कुंजी अछि। सौर ऊर्जाक उपयोगी गुणक बावजूदो एखनतक, नहि तऽ एकर व्यापक स्तर पर व्यवहार कैल जा रहल अछि आ ने पुरान इन्धनक विकल्पक रूपमे एकरा स्वीकृति प्राप्ति भऽ रहल छैक। एकर कारण छैक, प्रौद्योगिकीक अपेक्षाकृत अधिक महग हैब। एकरा प्रौद्योगिकीमे युगान्तकारी सुधार कैल जा रहल अछि, जे एकरा दरमे कमी आनि रहल अछि। निश्चित रूपमे चाहे मंद गति सँ ही सही, एकरा एक व्यवहार्थ विकल्प बना रहल अछि। सरकार द्वारा प्रवर्त्तित 'जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रिय सौर मिशन' एहि दिशामे एक धारणीय तथा ऊर्जाक स्वच्छ स्रोतक प्राप्तिक आदर्शवादी कदम अछि।

सौर ऊर्जाक क्षेत्र रोजगार सृजित करबाक दिशामे आशा जगबैत अछि। ई शोध क्षेत्रमे एवं प्रौद्योगिकीक नव विधानमे भारी निवेश करैत छैक तथा रोजगारक दिशामे उच्च आ विशेषज्ञक पद सृजित करैत छैक।

यद्यपि विद्युत उत्पादनमे भारत विश्वमे छठम स्थान पर अछि तथापि भारतमे एखनो गंभीर विद्युत संकट अछि। सौर ऊर्जेटा विद्युत संकट घटा सकैत अछि। ई सम्पूर्ण परिस्थितिजन्य तंत्रक गठन करैत ऊर्जाक उत्पादनक क्षेत्रमे मांगक बढ़ोत्तरी करत। आजुक अत्यधिक मांगवला सौर पद सौर ऊर्जा यंत्र स्थापना आ अभियांत्रिकीय परिरूप विधिक क्षेत्रमे अछि। एहि उद्योगक

विकासक लेल आवश्यक अछि जे नव कौशलक वृद्धिद्वारा उत्पादनक दाममे कमी कय तथा व्यापारक दामक संतुलन सँ मूल्यमे कमी आनल जाय।

(क) हमरालोकनिकेँ पुरान इन्धन पर अपन निर्भरता कम कियाक करवाक चाही?

(ख) सौर ऊर्जाक उपयोगक की लाभ अछि?

(ग) सौर ऊर्जाक प्रयोग एतावधि लोकप्रिय कियाक नहि बनाओल गेल अछि?

(घ) सौर ऊर्जाकेँ सामान्यजनक पहुँचक क्षेत्रमे आनवाक हेतु की की कैल जा रहल अछि?

(ङ) हमरालोकनिक युवाक हेतु उच्च पद, सौर ऊर्जा क्षेत्रमे कोना उपलब्ध कराओल जा सकैत अछि?

(च) सौर ऊर्जा कोन प्रकारे कम महग कैल जा सकैत अछि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मूल गद्यांशक शब्द संख्या सँ एक-तिहाई शब्द संख्यामे प्रस्तुत करू। शब्द-सीमाक पालन नहि भेला पर अंक काटल जा सकैत अछि। संक्षेपण फराक सँ देल गेल कागज पर करू एवं ओकरा नीक जेकाँ उत्तर पुस्तिकाक संग बान्हि लिअ : 60

यदि कलाक प्रत्येक विशेष युगकेँ अभिव्यक्त करवाक अछि तऽ निश्चित रूप सँ ओकरा बीतल युगक सीमाकेँ तोड़य पड़तैक आ पुरान कल्पनाक सीमा आ मानसिकताकेँ झटका देबय पड़तैक। जीवन एक सतत प्रवाह अछि। ओकर गति क्रान्तिक प्रक्रियाक काल त्वरित होइत अछि जखन परिवर्त्तन तेज आ आमूलचूल होइत अछि। एहन समयमे सामाजिक आवश्यकता अग्रगामी सांस्कृतिक प्रवृत्तिक हेतु दबाव बनबैत छैक—एक तरहेँ पुरान जड़िकेँ ढील करैत जे पुरान प्रारूप आ नवजनम लयवलाक मध्य एक द्वन्द सृजित करैत अछि।

प्राचीन संस्कृतिक समर्थक परिवर्त्तन सँ डरि जी तोड़ि प्रयास सँ यथास्थितिमे रहबाक यत्न करैत छथि। ओ स्वयं अपनाकेँ नैतिक मूल्य आ सभ्यताक संरक्षक घोषित कऽ दैत छथि एवं नहि आवयवला प्रत्येक प्रवाहकेँ टालैत रहैत छथि। एकरा परिवर्त्तनक समर्थक नहि चाहैछ। ओ लोकनि पुरान मान्यता आ नियमक अवज्ञा करैत छथि। सामाजिक परिवर्त्तनक प्रत्येक आकृति एक सांस्कृतिक प्रारूपक मांग करैत अछि। जे अपन आवश्यकताकेँ स्वयं व्यक्त करैत अछि। जेना कि 'प्राचीन' जकरा विगत युगमे रचल गेल छल आब नव शक्ति आ नव तकनीकक उपयोग नहि कऽ पाबि रहल अछि एवं अपन स्थापित धारणामे नव आदर्शकेँ प्रतिबिम्बित नहि कऽ सकैछ। एहि संदर्भमे पुरान संस्कृतिक समर्थक असांस्कृतिकेटा नहि बर्बरतापूर्ण तरीका सभकेँ अपनाबैत छथि, जकर ओ स्वयं एक समय उपेक्षा आ भर्त्सना कैने छलाह। जखन कोनो शक्ति प्रगतिशील नहि रहि पबैत अछि ओ दमनकारी बनि जाइत अछि। नवीने समाजटा संस्कृति आ विज्ञानक प्रत्येक शाखामे कलाकारकेँ सम्पूर्ण विकासक हेतु अवसर प्रदान कऽ सकैत अछि।

आजुक समयमे अव्यवस्थित समाजक कारणेँ जीवन संश्लेषण टूटि चुकल अछि। जाहिमे प्रत्येक शाखाक गतिविधि एक-दोसरा सँ अलग भऽ गेल अछि। दार्शनिक वैज्ञानिक सँ अलग भऽ गेल अछि। कलाकार ईंजिनियर सँ तथा एक अथवा सब अविभक्त जीवनक महान स्पंदमान जालकेँ झटकि अलग भऽ गेल अछि। जखन कि प्रत्येक संतुलन सौन्दर्य आ पूर्णताक रेखाकेँ जोड़यवला कारक अछि। उदाहरणार्थ एखन यांत्रिक यंत्रो रूढ़ गणितीय रेखामे विषादमय हवा आ धुआँकेँ अचेतन आवेगहीनक कर्त्ता नहि मानल जाइत अछि। ओकरा सामान्य रूप सँ नीचाँ धरती आ उपर महाव्योमक समाने स्वीकार कैल जाइछ। जेना कि प्राचीन पुराणक कथामे नैपुण्य आ जीवन्ततताकेँ गतिमान आ नायकत्वपूर्ण वृत्त स्वीकार कैल गेल अछि। यंत्र आई मनुष्य अंगक विस्तार बनि गेल अछि। ओ देखबैत अछि जे मनुष्य निसर्ग पर अपन वर्चस्व स्थापित कैल अछि। यैह तत्त्व आदि पर ओकर

विजय अभियानक गाथा अछि। इहो लड़ाई मनुष्येक समान पुरान अछि। ई संघर्ष परिपूर्ण सौन्दर्य, लय, संगीत एवं रंग सँ भरल पूरल अछि।

अगर मनुष्य अपना कमजोरी सँ यंत्र के स्वयं पर प्रभुत्व देने छथि तऽ ई यंत्रक दोष नहि थिक, जकर सृजन स्वयं मनुष्य कैने अछि। ओकरे द्वारा बनाओल गेल अछि आ नष्टो कैल गेल अछि। परनिंदाक भूख स्वयं मनुष्येकेँ ग्रसित कऽ लेत। रेडियो केवल मनुष्यक फेफड़ाक ध्वनि विस्तारक अछि, टेलीफोन ओकर कानक। हवाईजहाज पर आँखि टेढ़ करब आ खड़खड़ाइत ग्रामीण बैलगाड़ीक गीत गायब कवित्वक प्रति न्यायो नहि थिक। ई केवल दकियानुसी साम्प्रदायिकता थिक। हइर एकटा युगान्तकारी आविष्कार अछि जेना कि ट्रेक्टर अछि। नव उपकरणकेँ गढ़वाक मानवक अक्षय प्रतिभाक उपेक्षा करब परिवर्त्तनक नियमक उपेक्षा करब थिक। कोनो कलाकार एहन उपेक्षाक सामर्थ नहि जुटा सकैछ। ''एक कलाकार जैविक प्रयोजनक समान उत्पादन करैत अछि।'' एहन मान्यता छैक प्रख्यात मेक्सिकोवासी कलाकार रिवेरा डियागोक ''जेना एकटा वृक्ष फूल आ फल दैत अछि आ वर्ष भरिक पत्र पतन पर विलाप नहि करैत अछि।'' ओ जानैछ जे नव मौसममे ओ पुनः फुलायत आ फल देत। कलाकेँ सिर्फ की थिक सँ नहि चित्रित करवाक अछि। अपितु की हेतैक सामान्य आकांक्षाकेँ जे मिलावटी अछि, ने सिर्फ हताश करयवाली पराजयकेँ बल्कि रूपान्तरित करयवाली संभावनाकेँ अभिव्यक्त करैछ।

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

The world does not need extraordinarily talented people. It does not need highly skilled people either. It has plenty of super-intelligent people. We need ordinary people with extraordinary motivation. M. K. Gandhi was an ordinary man with amazing motivation to establish truth and justice. The Wright brothers were ordinary people with a dream of flying.

You can also achieve exceptional results if you are inspired with a higher ideal. Replacing 'inspiration' with 'information' has led to knowledge being viewed as drudgery rather than as pleasure. Education has degenerated to data being transmitted from teacher to the taught without igniting the minds of the young with a higher purpose.

How many of us wake up inspired, looking forward to a day of service? Who among us finds exhilaration in contributing to society? Life changes magically from boredom to excitement when you are inspired to serve. You redefine norms and achieve the impossible, paving the way to outstanding success. You find happiness at work, not in escaping from it. Most importantly, you evolve spiritually and attain Godhood.

Inspiration gives ordinary people the courage and hope to make life better for themselves and for the posterity. Find inspiration and life will transform into an exciting adventure of self-discovery.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

आई विज्ञानक सामाजिक दायित्वक हेतु बाजैत हम ओहि चीजक लेल सेहो बाजब जे युवाक हेतु अपेक्षाकृत आसान अछि परन्तु उम्रदराज लोकक समझमे कठिन। कारण जे युवा एक गुण सँ सम्पन्न अछि जे सामान्य रूप से किछु साल बाद शिथिल पड़ि जाइत अछि। ओ अछि कल्पनाशीलताक गुण। कल्पनाशीलता एहन गुण अछि जे विज्ञानक अपरिहार्य अंग अछि आ नैसर्गिक रूप सँ युवाकेँ प्रदत्त अछि। दुखद बात ई अछि जे बढ़ैत उमरक संग ई गुण सुखा जाइत अछि। तथापि ई गुण थिक जकर आजुक अपना सभक संसारकेँ प्रचुर मात्रामे जरूरत अछि।

गत तीन सदी सँ विज्ञानक खोज समाज पर अपन प्रभाव छोड़ने अछि परन्तु सामान्यतः लोक ई नहि बुझलैक जे हमरा सभद एहि विश्वकेँ ओ कोना प्रभावित कैलक। ओ लोकनि एकर परवाह नहि कैलनि। न्यूटनक समय सँ मनुष्यकेँ बोध भेलैक कि प्रौद्योगिकी, जे कि विज्ञानक खोज पर आधारित अछि, प्रचुर आराम आ लाभ लेल जा सकैछ। तखन लोक जानव आरम्भ कैलन्हि जे विज्ञानक संसर्ग सँ बनल दबाई सँ चिरायु जीवन जील जा सकैत अछि।

लियोनार्दो द विंशिक समय सँ लोक सभ सराहना कैलन्हि जे विज्ञान युद्धमे विजय प्राप्तिक भौतिक सहयोगी बनि सकैत अछि। जेना-जेना साल बीतैत गेल एक प्रौद्योगिक भौतिकवाद विकसित भेल। नव-नव उद्योगक ज्ञानक मांग खूब तेजी सँ बढ़ल। अधिक सँ अधिक लोक वैज्ञानिक आ तकनीकी विशेषज्ञ बनय लगलाह।

6. (क) संज्ञाक परिभाषा अपना शब्दमे लिखू तथा संज्ञाक कतेक भेद अछि, सोदाहरण स्पष्ट करू। 10

(ख) उपसर्ग आ प्रत्ययमे की भेद अछि? दोनहुक परिभाषा लिखैत उदाहरण प्रस्तुत करू। 10

(ग) निम्नलिखित मुहावरा ओ लोकोक्ति सबमे सँ मात्र पाँचक अर्थ स्पष्ट करैत वाक्यमे प्रयोग करू : 4×5=20

(i) ओझा लेखेँ गाम बताह

(ii) छोट मुँह पैघ बात

(iii) चलय न आबय आंगन टेढ़

(iv) भूत बेताल जेकाँ

(v) गामक गाछी भुताह

(vi) अन्हेर नगरी चौपट राजा

(vii) लूटि लायब खूब खायब

(viii) राम नाम सत होयब

(ix) डपोरसंख

(x) जान छैक त जहान छैक

★ ★ ★